सांध्य दैनिक 4PM

वो जो प्रसंशा करना जानता है, अपमानित करना भी जानता है।
– नेपोलियन बोनापार्ट

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 9 ● अंकः 164 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 21 जुलाई, 2023

रोहित-यशस्वी ने की शानदार... 7 | हर बात पर सियासत, करती हैं... 3 | मणिपुर घटना पर सिर्फ 36 सेकेंड... 2

मणिपुर घटना को लेकर संसद ठप

लोकसभा-राज्यसभा की कार्यवाही सोमवार तक स्थगित

- » विपक्ष ने कहा- पीएम सदन में दें बयान
- » सरकार बोली-चर्चा को तैयार, सहयोग करे विपक्ष
- » कांग्रेस सांसदों ने लोस में स्थगन प्रस्ताव नोटिस दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा को लेकर शुक्रवार को भी संसद के दोनों सदनों में जमकर हंगामा देखने को मिला। विपक्ष ने मणिपुर समेत कई अहम मुद्दों को लेकर मोदी सरकार पर हमला भी किया। हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही सोमवार तक के लिए स्थगित कर दी गई है। इससे पहले हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे तक और राज्यसभा की कार्यवाही 2:30 बजे तक स्थगित हुई थी।

बृहस्पतिवार का संसद के मानसून सत्र के पहले दिन की कार्यवाही भी मणिपुर हिंसा के हंगामे की भेंट चढ़ गई थी। राज्य में हिंसा व महिलाओं को निर्वस्त्र कर परेड कराने के मामले पर नाराज विपक्ष ने मोदी सरकार को जमकर घेरा। संसद के दोनों सदनों में जमकर बवाल हुआ। विपक्ष ने लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष ने भारी हंगामा शुरू कर दिया। मणिपुर के मामले पर संसद के दोनों सदनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बयान और चर्चा की मांग करते हुए कई विपक्षी सांसदों ने दोनों सदनों में कार्य स्थगन के नोटिस दिए। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी, मणिकम टैगोर और कुछ अन्य विपक्षी सांसदों ने शुक्रवार को कार्य स्थगन के नोटिस दिए।

THE CHAIR : HON'BLE SPEAKER

नारेबाजी से समस्या खत्म नहीं होगी : ओम बिरला

लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने कार्य स्थगन प्रस्ताव देते हुए मणिपुर के हालात पर चर्चा की मांग की, जिसे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने खारिज करते हुए सरकार की तरफ से सूचित विधेयकों पर चर्चा शुरू करने को कहा, जिसके बाद विपक्ष ने हंगामा शुरू कर दिया। विपक्ष ने बाद में आरोप लगाया कि सरकार इस पर चर्चा नहीं चाहती।

हम चर्चा को तैयार : राजनाथ

नारेबाजी और शोरशराबे के बीच राजनाथ सिंह ने कहा कि सरकार मामले की गंभीरता को समझती है। हम चर्चा के लिए तैयार हैं। कुछ राजनीतिक दल चर्चा नहीं करना चाहते, इसलिए वे ऐसा बर्ताव कर रहे हैं। इसके बाद ओम बिरला ने भी हंगामे पर नाराजगी जताते हुए कहा कि नारेबाजी से समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।

केंद्र सरकार नींद से जागे : चड्ढा

आप सांसद राघव चड्ढा ने कहा कि मणिपुर हमारे देश का अभिन्न अंग है और वहां जो दरिंदगी की घटनाएं सामने आ रही हैं, उससे पूरे हिंदुस्तान का दिल दहल गया है। केंद्र सरकार नींद से जागे और इस विषय पर चर्चा कराए।

विपक्ष जिम्मेदारी से भाग रहा है : अनुराग ठाकुर

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा कि विपक्ष चर्चा से क्यों भाग रहा है? देश की जनता जब एक उम्मीद के साथ संसद सत्र की ओर देखती है और यह विपक्षी दल मुद्दों को नहीं उठाने देते, चर्चा में भाग नहीं लेते तो अपने आप में ही इनकी भूमिका पर प्रश्न चिह्न खड़ा होता है। हम संवेदनशील हैं और चर्चा में भाग लेना चाहते हैं, लेकिन विपक्ष जिम्मेदारी से भाग रहा है और चर्चा से भी भाग रहा है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि नए-नए तरीके से चर्चा को रोकना और बहस करना ये बिल्कुल गलत है। पीएम मोदी के नेतृत्व में हम सार्थक चर्चा करना चाहते हैं, इसलिए वो सहयोग करें लेकिन वे चर्चा ही नहीं करना चाहते हैं। वे हर बार ऐसे मुद्दे लाते हैं जिसमें मुद्दा नहीं रहता है।

पीएम सदन के अंदर क्यों नहीं बोल सकते : मनीष तिवारी

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने कहा कि मणिपुर में पिछले 77 दिन से अराजकता का माहौल बना हुआ है। अगर ये कहा जाए कि वहां पर सरकार और प्रशासन नाम की कोई चीज नहीं है तो ये गलत बात नहीं है। मानसून सत्र मैं पीएम मोदी का ये दायित्व होना चाहिए कि इस विषय पर वो सदन के समक्ष बोले। सवाल ये है कि पिछले 78 दिन मणिपुर में जो हो रहा है उसका जिम्मेदार कौन हैं? इसलिए विपक्ष ने मांग की है कि दोनों सदनों में इस विषय पर चर्चा होनी चाहिए। पीएम सदन के बाहर बोल सकते हैं तो सदन के अंदर क्यों नहीं बोल सकते?

पीएम ने मणिपुर पर मजबूरी में चुप्पी तोड़ी : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

ग्वालियर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ग्वालियर में जनाक्रोश रैली को संबोधित कर रही हैं। ग्वालियर पहुंचने के बाद वह रानी लक्ष्मीबाई की समाधि पर पहुंचीं और वह श्रद्धांजलि अर्पित की है। उन्होंने पीएम मोदी को घेरते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने मजबूरी में वीडियो वायरल होने के बाद बोला है। उसमें भी राजनीति की है और विपक्षी सरकारों के नाम लिए है।

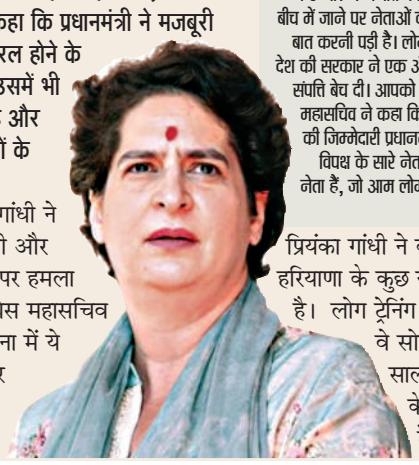

वहीं, प्रियंका गांधी ने जमकर बीजेपी और मोदी सरकार पर हमला किया है। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि सेना में ये लोग अग्निवीर स्कीम लेकर आए हैं। प्रियंका गांधी ने कहा कि हमने हरियाणा के कुछ नौजवानों से बात की है। लोग ट्रेनिंग से वापस लौट रहे हैं। वे सोच रहे हैं कि चार साल बाद बेरोजगार होने के लिए, हम इतनी कड़ी ट्रेनिंग कर रहे हैं।

महंगाई ने लोगों की कमर तोड़ी, सरकार मस्त

प्रियंका गांधी ने टमाटर की बढ़ती कीमतों पर भी केंद्र सरकार को घेरा है। साथ ही कहा कि महंगाई ने लोगों को कमर तोड़ दी है। मैं यहां फिजूल की बातें नहीं करूंगी। मैं जनात की बात करने आई हूं। जनता के बीच में जाने पर नेताओं को महंगाई और बेरोजगारी पर बात करनी पड़ी है। लोगों को सोचना पड़ेगा कि हमारे देश की सरकार ने एक और दो उद्योगपतियों को देश की संपत्ति बेच दी। आपको रोजगार कैसे मिलेगा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि देश की सभ्यता बनाए रखने की जिम्मेदारी प्रधानमंत्री की हैं। वहीं, प्रधानमंत्री ने विपक्ष के सारे नेताओं को चोर बोल दिया। ये वैसे नेता हैं, जो आम लोगों की बात कर आगे बढ़े हैं। ये उनका अपमान है।

राहुल की याचिका पर सुप्रीम सुनवाई

गुजरात सरकार और पूर्णेश मोदी को नोटिस

» 4 अगस्त को फिर होगी बहस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट मोदी सरनेम टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात सरकार और अन्य को नोटिस जारी किया। कोर्ट ने पूर्णेश मोदी को भी नोटिस जारी किया है।

अगली सुनवाई 4 अगस्त को होगी। पूर्णेश ने नोटिस का जवाब देने के लिए कोर्ट से 21 दिन का समय मांगा था, लेकिन कोर्ट ने उन्हें 10 दिन की मोहलत दी। मामले की अगली सुनवाई चार अगस्त को होगी। इससे पहले गुजरात हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की सजा पर रोक लगाने की मांग वाली याचिका खारिज कर दी थी। इसके बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी।

राहुल की ओर से दी गई थी यह दलील

जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस पीके मिश्रा की पीठ मामले पर सुनवाई की। सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की पीठ 18 जुलाई को वरिष्ठ वकील अभिषेक सिंघवी के मामले का उल्लेख करने और तत्काल सुनवाई की मांग करने के बाद गांधी की याचिका पर सुनवाई के लिए सहमत हुई थी। राहुल गांधी ने अपनी अपील में कहा है कि अगर सात जुलाई के गुजरात हाईकोर्ट के फैसले पर रोक नहीं लगाई गई, तो इससे स्वतंत्र भाषण, अभिव्यक्ति, विचार और बयान का गला घोंट दिया जाएगा।

केवल खानापूर्ति कर रही सरकार

» मणिपुर मामले पर केंद्र से सख्त कार्रवाई की मांग

स्मृति ईरानी के ट्वीट पर भड़के मायावती के भतीजे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मणिपुर में हुए शर्मनाक घटना पर केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी के ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए बसपा सुप्रीमो मायावती के भतीजे आकाश आनंद ने नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री के ट्वीट को फॉर्मेलिटी करार दिया है और पूरी भाजपा सरकार को निशाने पर लिया है।

ज्ञात हो मणिपुर में जारी हिंसा और दो महिलाओं के साथ हुई अमानवीयता पर सोशल मीडिया पर लोगों में जबरदस्त आक्रोश नजर आ रहा है। लोग इसके लिए केंद्र की भाजपा सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सख्त कार्रवाई करने की मांग कर रहे हैं। बसपा सुप्रीमों के भतीजे ने केंद्रीय मंत्री के ट्वीट पर जवाब देते हुए कहा कि क्या स्मृति ईरानी जी, इतनी फॉर्मेलिटी कर के क्या फायदा? दो महीने पहले की घटना है, आज तक आपकी पार्टी की डबल इंजन की सरकार कुछ नहीं कर पायी एक अरेस्ट तक नहीं हो पाया। शर्म करनी चाहिए मणिपुर के मुख्यमंत्री और आप सभी बीजेपी सरकारों के मंत्रियों को। अब जब वीडियो वायरल हुआ और जनता के बीच भद्द पिट रही है तो आप लोगों की जुबान खुल रही है। अगर वीडियो सामने ना आता तो शायद आप लोगों की खामोशी ऐसे ही बरकरार रहती। इंतज़ार करिए जनता अब देख रही है। बता दें कि स्मृति ईरानी ने घटना पर ट्वीट कर कहा था कि मणिपुर में दो महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटना निंदनीय और अमानवीय है। सीएम एन बीरेन सिंह से बात हुई जिसमें उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है और भरोसा दिलाया कि अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। पीड़ितों को न्याय दिया जाएगा।

कांग्रेसियों ने पीएम का पुतला फूंका

रायबरेली। मणिपुर में हुई हिंसा के विरोध कांग्रेसियों ने कड़ी नाराजगी जताई है। दीवानी कचहरी गेट के सामने प्रधानमंत्री का पुतला फूंका और जमकर नारेबाजी की। भारतीय युवा कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष वीरेंद्र यादव ने कहा कि मणिपुर में महिलाओं के साथ दिल दहला देने वाली भयावह यौन हिंसा हुई। इसके बावजूद सरकार कुछ नहीं कर रही है। महिलाओं के साथ हुई इस घटना की जितनी निंदा की जाए वह कम है। सबसे ज्यादा दंश महिलाओं और बच्चों को झेलना पड़ रहा है। मणिपुर की इस घटना ने पूरे देश को विश्व पटल पर शर्मसार किया है। आखिर मणिपुर की हिंसक घटनाओं पर भाजपा आंख मूंदकर क्यों बैठी है, क्या इस तरह की तस्वीरें और हिंसक घटनाएं उन्हें विचलित नहीं करतीं। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राहुल वाजपेयी ने कहा कि हम सभी को मणिपुर में शांति के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए हिंसा की एक स्वर में निंदा करनी पड़ेगी। राघवेंद्र सिंह ने कहा कि जब से केंद्र में भाजपा की सरकार आई है तब से देश में महिलाओं और किसानों पर अत्याचार बढ़ गया। इस मौके पर युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष मोहित सिंह, सोशल मीडिया के जिला अध्यक्ष विजय पटेल, विश्वनाथ त्रिवेदी, अजय कुमार, महेश शुक्ला, हरीश चंद शर्मा, राकेश सिंह मौजूद रहे।

अब दिल्ली में मुफ्त चीनी देगी आप सरकार

» केजरीवाल कैबिनेट ने प्रस्ताव को दी मंजूरी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। गरीब परिवारों को सरकार मुफ्त में चीनी देगी। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। वर्तमान आर्थिक हालात और महंगाई से पैदा हुईं चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने यह सुनिश्चित करने के उपाय किए थे कि किसी को भी खाद्य असुरक्षा का सामना न करना पड़े। इन प्रयासों के तहत एनएफएसए राशन पीडीएस लाभार्थियों को अप्रैल 2020 से नवंबर 2020 तक मुफ्त वितरित किया गया था। इसे बाद में मई 2021 से मई 2022 तक बढ़ा दिया गया था।

सभी एनएफएसए लाभार्थियों को मिलने वाले गेहूं, चावल के अलावा दिल्ली सरकार ने मुफ्त चीनी देने का निर्णय लिया है। दिल्ली सरकार अंत्योदय अन्न योजना (एएवाई) के लाभार्थियों को चीनी सब्सिडी योजना के तहत मुफ्त चीनी उपलब्ध कराएगी। एएवाई कार्डधारकों को चीनी का वितरण जनवरी 2023 से दिसंबर 2023 तक एक वर्ष की अवधि के लिए निशुल्क किया जाएगा। सरकार के इस निर्णय से 68,747 राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कार्डधारकों सहित लगभग 2,80,290 लाभार्थियों को लाभ मिलेगा। इस पहल के कार्यान्वयन के लिए लगभग 1.11 करोड़ रुपये के अनुमानित बजट की आवश्यकता होगी।

अगस्त में होगा योगी मंत्रिमंडल का विस्तार

» राजभर और दारा सिंह बनाए जाएंगे मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार 2.0 का पहला मंत्रिमंडल विस्तार अगस्त के पहले सप्ताह तक होगा। सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर और सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए पूर्व मंत्री दारा सिंह चौहान को कैबिनेट मंत्री बनाया जाएगा। वहीं योगी सरकार 1.0 में मंत्री रहे कुछ पूर्व मंत्री और विधायक भी मंत्री पद के लिए लखनऊ से दिल्ली तक दौड़ लगा रहे हैं। सुभासपा के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) में शामिल होने के बाद गठबंधन की शर्त के तहत ओमप्रकाश राजभर को कैबिनेट मंत्री बनाया जाना है। वहीं दारा सिंह चौहान को भी पुन: मंत्रिमंडल में जगह मिलनी है।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने भी ओमप्रकाश राजभर से उनके आवास पर मुलाकात की थी। राजभर से मुलाकात के बाद चौधरी बृहस्पतिवार को दिल्ली पहुंच गए। आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जातीय समीकरण के लिहाज से राजभर और दारा सिंह के अतिरिक्त भी दो-तीन मंत्री और बनाए जा सकते हैं।

शाह-राजनाथ से मिले केशव

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को दिल्ली में गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी, मंत्रिमंडल के विस्तार सहित अन्य मुद्दों पर बात हुई। केशव ने संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भी मुलाकात की।

मणिपुर घटना पर सिर्फ 36 सेकेंड बोले पीएम : सत्यपाल मलिक

» कहा-मणिपुर में महिलाओं पर हो रही बर्बरता निंदनीय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक अपने बयानों की वजह से आए दिन सुर्खियों में बने रहते हैं। इस बार वह मणिपुर हिंसा के तहत कूकी महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने की घटना सामने आने के बाद अपने बयानों को लेकर चर्चा में आ गए हैं, कभी प्रधानमंत्री मंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी रहे सत्यपाल मलिक ने अपने ताजा बयान में पीएम मोदी को निशाने पर लिया है।

उन्होंने कहा है कि मन की बात सहित अन्य मुद्दों पर घंटों तक बोलने वाले पीएम मोदी मणिपुर में घटी अमानवीय और देश को शर्मसार करने वाली घटना को लेकर केवल 36 सेकेंड ही बोल,कुछ सेकेंड का उनका ये बयान सभी को चकित करने वाला है, मलिक ने मणिपुर हिंसा को लेकर ट्वीट करते हुए कहा, हर माह घंटों तक मन की बात करने वाले प्रधानमंत्री आज जलते मणिपुर पर मात्र 36 सेकेंड बोले, ऐसा क्यों? बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ का नारा देने वाली सरकार के शासनकाल में सरेआम बेटियों को निर्वस्त्र घुमाया जा रहा है, मणिपुर में महिलाओं पर हो रही बर्बरता निंदनीय है।

दोबारा सत्ता में आए तो पूरे देश में दंगा कराएंगे

उन्होंने कहा कि इस घटना को लेकर सोशल मीडिया में वायरल वीडियो हृदय को द्रवित करने वाली है। मणिपुर की घटना पर अपनी सख्त नाराजगी का इजहार करते हुए उन्होंने कहा कि यूक्रेन-रूस के युद्ध को रूकवाने वाले आज अपने ही देश में पिछले 60 दिनों से जल रहे मणिपुर को क्यों नहीं बचा रहे। अगर ये सरकार दोबारा सत्ता में आई तो ये ऐसे ही पूरे देश में दंगे कराएंगी।

पहलवानों की एकता को तोड़ रही सरकार : साक्षी

» मैं ट्रायल के बिना किसी टूर्नामेंट में नहीं खेलूंगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पहलवान साक्षी मलिक ने कहा कि हमने एडहॉक कमेटी से समय मांगा था ताकि हमारा ट्रायल 10 अगस्त के बाद कराया जाए क्योंकि हम ट्रेनिंग करने में असमर्थ थे। तदनुसार, उन्होंने हमें समय देते हुए एक पत्र भेजा। यही वजह है कि हम ट्रेनिंग के लिए बाहर आये। भारत के स्टार रेसलर साक्षी मलिक ने एशियन गेम्स में हिस्सा लेने से इनकार कर दिया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि वह बिना ट्रायल के किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं लेना चाहती हैं।

उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया को सीधे एशियन गेम्स के लिए भेजा गया। इसी के बाद से लगातार सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, आज साक्षी मलिक ने पूरे मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि मैं बिना ट्रायल के किसी भी टूर्नामेंट में भाग नहीं रहना चाहती। साथ ही साथ उन्होंने सरकार पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ने एशियन गेम्स में सीधे नाम भेजकर पहलवानों की एकता को तोड़ने का काम किया है। साक्षी मलिक ने कहा मुझे सरकार से फोन आया कि वे एशियाई खेलों के लिए सीधे उन दोनों (बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट) का नाम भेज रहे हैं और मुझसे एक मेल भेजने के लिए कहा ताकि मेरा नाम भी भेजा जा सके। साक्षी मलिक ने कहा कि मैंने मना कर दिया क्योंकि मैं सीधे प्रवेश नहीं चाहता था। मैं ट्रायल के बिना न तो किसी टूर्नामेंट में गई हूं और न ही भविष्य में कभी ऐसा करूंगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि कुश्ती में हमारी आपस में लड़ाई कराने जैसी यह जो नीति बनी है मैं उसके खिलाफ हूं। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा कि सरकार ने एशियन गेम्स में सीधे नाम भेजकर पहलवानों की एकता को तोड़ने का काम किया है। मैं न कभी बिना ट्रायल खेलने गई हूँ और न ही इसका समर्थन करती हूँ। सरकार की इस मंशा से विचलित हूं। हमने ट्रायल्स की डेट आगे बढ़वाने की बात कही थी लेकिन सरकार ने हमारी झोली में यह बदनामी डाल दी है।

राउज एवेन्यू कोर्ट ने बृजभूषण व तोमर को दी राहत

अदालत ने गुरुवार को महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी भाजपा सांसद (सांसद) और कुश्ती महासंघ के निवर्तमान प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह व सहायक सचिव विनोद तोमर को जमानत प्रदान कर दी। सुनवाई के दौरन अभियोजन पक्ष व शिकायतकर्ता के वकीलों ने जमानत पर आपत्ति नहीं जताई बल्कि जमानत देते हुए शर्तें लगाने का आग्रह किया। राउज़ एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट (एसीएमएम) हरजीत सिंह जसपाल ने आदेश पारित किया।

कोर्ट पहुंचा मामला

दिल्ली उच्च न्यायालय ने बृहस्पतिवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) का संचालन करने वाली तदर्थ समिति से पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पुनिया को एशियाई खेलों के ट्रायल से छूट देने का आधार बताने को कहा। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद ने फोगाट और पुनिया को सीधे प्रवेश के खिलाफ अंडर-20 विश्व चैंपियन अंतिम पंघाल और अंडर-23 एशियाई चैंपियन सुजीत कलकल की याचिका पर सुनवाई करते हुए खेल निकाय को दिन के दौरान अपना जवाब दाखिल करने के लिए कहा।

हर बात पर सियासत, करती है आहत

» हादसों पर राजनीति लोकतंत्र के लिए हानिकारक

» कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय हो

» लापरवाही से होती हैं घटनाएं

सिद्धार्थ शर्मा

नई दिल्ली। भारत में हादसे होने के बाद राजनीति होना नई बात नहीं है। पर इस पर कोई ध्यान नहीं देता कभी-कभी राजनीति की वजह से भी हादसे होते हैं। ऐसा कई बार देखने में आया है कि कोई परियोजना बनाई जाती है किसी अन्य दल की सरकार में और दूसरे दल वाले उसका विरोध कर देते हैं। बाद में यह योजना परवान नही चढ़ पाती है, और अगर कहीं किसी परियोजना की वजह से हादसा हो जाए तो सियासी भूचाल मच जाता है। सड़क हादसा, पुल गिरना, आग लगना, रेल दुर्घटना या प्राकृतिक आपदा हर बड़ी दुर्घटना के लिए भारत में राजनीति को जिम्मेदार ठहरा दिया जाता है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है यहां पर नेता ही जिम्मेदार होता है क्योंकि जनता उसी को अपना प्रतिनिधि चुनती है। ऐसे में जिम्मेदारी भी उसी की होती है पर कहीं न कहीं ऐसे बड़े हादसों के लिए नौकरशाही या कार्यपालिका भी जिम्मेदार है।

अभी हाल में मेरठ एक्सप्रेस वे पर बस और कार की टक्कर महज हादसा नहीं थी, बल्कि वह प्रशासनिक लापरवाही का नतीजा था। एक्सप्रेस वे पर आठ किलोमीटर तक कोई बस कैसे गलत दिशा में दौड़ती रह सकती है? इसका अनुमान तंत्र को होना चाहिए और उसे रोकने का इंतजाम भी उसे ही करना चाहिए। प्राकृतिक आपदाओं पर किसी का वश नहीं। लेकिन इन आपदाओं से जुड़ी कुछ घटनाएं और सामान्य हादसे

ऐसे होते हैं, जिन पर काबू पाया जा सकता था। हाल के दिनों में घटी कुछ घटनाओं को इन्हीं श्रेणियों में रखा जा सकता है। इन घटनाओं ने देश और समाज को विचलित कर दिया। पहली घटना रही मेरठ से दिल्ली को जोड़ने वाले एक्सप्रेस वे पर हुई दुर्घटना, जिसमें गलत दिशा से आ रही एक बस से कार की आमने-सामने की टक्कर हुई, जिसमें एक हंसता-खेलता परिवार खत्म गम और आंसुओं के समंदर में डूब गया। इस हादसे के कुछ ही दिन पहले दिन में हुई जोरदार बारिश ने दिल्ली को जैसे झील में तब्दील कर दिया। कुछ इसी तरह हिमाचल प्रदेश भी डूब रहा है। मंडी जिले में तो सड़कों पर मलबे की बाढ़ आ गई। इन घटनाओं में पहली नजर में कोई समानता नजर नहीं आती। एक जहां सड़क हादसा है तो दूसरी-तीसरी घटना प्राकृतिक आपदा है। लेकिन इन घटनाओं में समानता इस लिहाज से है कि इनसे बचा जा सकता था या उनसे होने वाले नुकसान को कम से कम किया जा सकता था।

नौकरशाही पर भी हो जिम्मदारी

मोहल्ले की गड़बड़ी से लेकर राष्ट्रीय समस्या के लिए सिर्फ और सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही जिम्मेदार माना जाता है। इसलिए सवालों के घेरे में वही सबसे ज्यादा रहता है। लेकिन सवाल यह है कि क्या सिर्फ राजनीतिक तंत्र ही इसके लिए जिम्मेदार है? क्या यह सवाल नहीं उठना चाहिए कि इसके लिए व्यवस्था और उसके सबसे अहम अंग नौकरशाही जवाबदेह नहीं है? नौकरशाही पर सबसे वैज्ञानिक और स्वीकार्य अध्ययन जर्मन समाजशास्त्री मैक्स वेबर का माना जाता है। उन्होंने लोकतांत्रिक व्यवस्था में निरंतरता के लिए नौकरशाही और प्रशासनिक तंत्र को बेहतरीन जरिया बताया है। अपने इसी अध्ययन में मैक्स वेबर नौकरशाही की नकारात्मक भूमिका की ओर भी ध्यान दिलाते हैं। उनका मानना है कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की नौकरशाही नियमों और उसकी प्रक्रिया को ही अपना लक्ष्य मान लेती है। दफ्तरी सोच की वजह से यह तंत्र एक तरह से कल्पनाहीन विशेषज्ञों का समूह विकसित करने लगती है। चाहे मेरठ एक्सप्रेस वे पर हुआ हादसा हो या दिल्ली के डूब जाने की कहानी या फिर ऐसी ही कोई और घटना, हर घटना या हादसे का विश्लेषण करेंगे तो पाएंगे कि हमारा व्यवस्था तंत्र भी कल्पनाहीनता की सुरंग में समाता जा रहा है। मेरठ एक्सप्रेस वे हुई घटना महज हादसा नहीं है, बल्कि प्रशासनिक तंत्र की लापरवाही भी है।

पुरानी व्यवस्था ज्यादा कारगर

पुरानी पीढ़ी के लोग अपने अनुभवों के आधार पर कहते रहे हैं कि आजादी के पहले की नौकरशाही ज्यादा कल्पनाशील थी। वह अपनी हर योजना भविष्य, भावी अनुमानों और उस पर आधारित परिणामों को ध्यान में रख बनाती थी। आईसीएस यानी इंपीरियल सिविल सर्विस ही आज की भारतीय नौकरशाही की मूल है। लेकिन लगता है कि उसने अपने पूर्ववर्ती तंत्र का यह गुण आत्मसात नहीं किया। साल 1922 में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री डेविड लॉयड जॉर्ज ने तत्कालीन ब्रिटिश नौकरशाही को ब्रिटिश राज का स्टील फ्रेम बताया था। तब की नौकरशाही ने ब्रिटिश सरकार को बचाने के लिए स्टील फ्रेम की तरह काम तो किया, उसे बनाए रखने के लिए भी अपनी कल्पनाशीलता का सहारा लिया। उन्होंने जो योजनाएं बनाईं, जो निर्माण किए, वे अरसा बाद तक अप्रासंगिक नहीं हुए। लेकिन उसकी तुलना में आज के तंत्र को देख लीजिए। उसकी बनाई योजना, उसके हिसाब से उठाए कदम जल्द ही अप्रासंगिक हो जाते हैं।

तंत्र को और जवाबदेह बनाना होगा

पंडित नेहरू के सचिव रहे एमओ मथाई ने अपनी किताब 'रेमेनेंसेज ऑफ नेहरू एज' में लिखा है कि नेहरू इंपीरियल सिविल सर्विस को लेकर बहुत सकारात्मक नहीं थे। वे इसे भंग कर देना चाहते थे। लेकिन पटेल ने उन्हें मनाया। उसके बाद तंत्र को लेकर नेहरू की राय बदली। तब उम्मीद की जा रही थी कि भविष्य में तंत्र भारत की बदली स्थितियों के मुताबिक सोच लेकर आगे बढ़ेगा। लेकिन अब तक के अनुभव बताते हैं कि ऐसा कम ही हो पाया। मानव जनित हादसों से बचा जाए और प्राकृतिक हादसों से होने वाले नुकसान को कम से कम करना तभी संभव होगा, जब हमारा तंत्र अनुमान केंद्रित बने, कल्पनाशील बने और अपने दफ्तरी खांचे, नियम-कायदे और प्रक्रिया के घेरे से बाहर निकले। इसके लिए जरूरी कदम उठाया जाना होगा। पूरे तंत्र की एक तरह से ओवरहालिंग करनी होगी। तंत्र में शामिल होने वाले लोगों को सेल्फ स्टार्टिंग बनाना होगा, इसके लिए उनकी ट्रेनिंग प्रक्रिया में जरूरी बदलाव करना होगा। उससे निकले नौकरशाह कहीं ज्यादा कल्पनाशील होंगे, जिन्हें जमीनी समस्याओं और आगामी परेशानियों का भान होगा।

सरकार किसी की भी हो, देश बना रहे

» चुनाव पर नजर, भाजपा-कांग्रेस की लड़ाई

» गठबंधनों को मजबूती देने पर मंथन

» एक दूसरे पर तीखे हमले करने से बचना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एनडीए व आईएनडीआईए की बैठक 18 जुलाई को आयोजित हुई। भारत के लगभग सभी दल इन बैठकों में शामिल हुए। कभी एक दूसरे को फूटी आंख न सुहाने वाले चेहरे भी एक दूसरे की तारीफ कर रहे थे। दोनों गठबंधनों का मकसद यही है कि किसी तरह से एक दूसरे को पछाड़ कर सत्ता हासिल कर ली जाए। पर ये गठजोर 2024 चुनाव के आने तक बरकरार रहेगा इस पर संशय है। खैर आगे क्या होगा ये समय ही बताएगा परिणाम कुछ भी हो देश को जीतना चाहिए सरकार किसी दल की बने।

कांग्रेस एवं आम आदमी पार्टी एक दूसरे के विरोध के बावजूद अब यदि एक मंच पर आने को सहमत हुए हैं तो यह स्पष्टत: सत्ता एवं स्वार्थ की राजनीति है। प्रश्न यह भी है कि क्या अब आम आदमी पार्टी आगामी चुनाव वाले राज्यों में कांग्रेस पर अपने तीखे राजनीतिक हमले करने बंद कर देगी? जब-जब विपक्षी दलों की एकता की बात जितनी तीव्रता से हुई, तब-तब वह अधिक बिखरी। विपक्षी दलों की पटना की बैठक से लेकर बैंगलोर बैठक के बीच काफी कुछ बदल चुका है। विपक्षी एकता से पहले ही बिखराव एवं टूटन के स्वर ज्यादा उभरे हैं। भले ही पटना की बैठक में शामिल 16-17 दलों की संख्या बेंगलुरु में 26 हो रही है। लेकिन अभी हाल तक जो नेता विपक्षी एकता की पैरवी कर रहे थे या फिर भाजपा से दूरी बनाए थे, उनमें से कुछ पाला बदल चुके हैं। इनमें प्रमुख हैं जीतनराम मांझी और ओमप्रकाश राजभर। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी यानी राकांपा में विभाजन हो चुका है और विपक्षी एकता के सबसे बड़े पैरोकार नीतीश कुमार अपने दल में टूट की आशंका से ग्रस्त दिखने लगे हैं। आने वाले दिनों में ऐसे नेताओं की संख्या बढ़ सकती है, क्योंकि भाजपा भी अपने नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को विस्तार देने के लिए प्रयासरत है।

विपक्ष का कमजोर होना लोकतंत्र के लिए खतरा

भारतीय राजनीति की विपक्ष की भूमिका अद्भुत एवं महत्वपूर्ण होते हुए लगातार निस्तेज हुई है, इससे लोकतंत्र भी कमजोर हुआ है। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण मानी गयी है, वह राष्ट्रीय मंच पर छाया रहता है। लेकिन हमारा विपक्ष जरूरी जिम्मेदारियों से मुंह फेरते हुए मात्र राजसत्ता का भोग करने के लिये लालायित रहता है। जबकि विपक्ष को तीव्र आलोचना, आन्दोलन एवं विरोध की बजाय देश-निर्माण में भागीदारी निभानी चाहिए। विपक्ष निष्काम सेवा में विश्वास रखने वाला होना चाहिए। जैसा कि भगवद्गीता में कहा गया है- हमारा अधिकार सिर्फ अपने कर्म पर है, उसके परिणाम पर हमारा कोई अधिकार नहीं है। विपक्ष दल कहां कर्म कर रहा है? राजनीतिक दलों ने 2024 के आम चुनावों के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को हटाने की ठान ली है। विपक्ष में हो? मची है। क्योंकि एक दशक से विपक्षी नेताओं ने सत्ता-सुख नहीं भोगा है।

जनाकांक्षाओं खरा उतरना जरूरी

आज भारतीय राजनीति आमूल-चूल बदल चुकी है। अब कोई भी सरकार जनाकांक्षाओं की अनदेखी नहीं कर सकती, फिर सत्ता की लालसा रखने वाला विपक्ष जनाकांक्षाओं की बजाय केवल सत्ता प्राप्ति की आकांक्षा से कैसे सफलता प्राप्त कर सकता है। इस दौर में तटस्थता विपक्ष की सबसे बड़ी योग्यता होनी अपेक्षित है। साथ ही वह भी कि वह कितने लोगों को साथ लेकर चल सकता है। माई-बाप संस्कृति में रची-बसी देश की जनता नहीं जानती कि राष्ट्र प्रमुख होने का मतलब राष्ट्रीय मंच पर छाए रहना नहीं बल्कि देश के हित के लिए काम करना है। भगवद्गीता में कहा गया है कि सच्चा नेता वह है जो किसी मोह में पड़े बिना अपना काम करता रहे। उसके लिए कुछ भी व्यक्तिगत नहीं होता। लेकिन आज का विपक्ष तो सत्ता-मोह में उलझा है।

एक दूसरे की सुने सियासी दल

विपक्षी एकता तभी सार्थक एवं सफल होगी जब उनमें समझ और समझौते की मानसिकता हो। समझौते में शर्तें व दबाव होते हैं जबकि समझ नैसर्गिक होती है। इन्हीं दो स्थितियों में विपक्षी एकता संभव है। बैंगलोर में 26 परस्पर असमान विचारों वाले ग्रुपों के साथ न्यूनतम कार्यक्रमों के समझौते के आधार पर विपक्षी दल एकजुट होने के लिये जुट रहे हैं। हर स्तर पर एक समझौता होता है, नीतिगत और व्यवस्थागत। राजनीति तो चलती ही समझौतों के आधार पर है। जहां भी समझौता नहीं, वहां अशांति और असंतुलन/बिखराव हो जाते हैं। लेकिन जो एक सोचता है वैसा ही दूसरा सोचे, ऐसा राजनीति में कहां संभव है। समझौते के आधार पर कई बार अधिकारों को लेकर, विचारों को लेकर, नीति को लेकर फर्क आ जाता है, टकराव की स्थिति आ जाती है। समझौता मौलिक नहीं होता, कई तानों-बानों से बनता है। इसमें मिश्रण भी है। माप-तौल भी है। ऊंचाई-निचाई भी है और प्रायः मजबूरी व दबाव भी सतह पर ही दिखाई देते रहते हैं। लगभग यही स्थिति विपक्षी एकता में बार-बार देखने को मिल रही है। जरूरत है समझौते से ज्यादा समझ को विकसित किया जाये। क्योंकि समझ प्राकृतिक है। समझौता मनुष्य निर्मित है। समझ निर्बाध जनपथ है। समझौता कंटीला मार्ग है, जहां प्रतिक्षण सजग रहना होता है। समझ स्वयं पैदा होती है। समझौता पैदा किया जाता है। पर जहां-कहीं समझ का वरदान प्राप्त नहीं है वहां समझौता ही एकमात्र विकल्प है। प्रजातंत्र में प्रदत्त अधिकारों की परिधि ने समझ की नैसर्गिकता को धुंधला दिया है। अतः समझौता ही हर जगह दिखाई देता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

मानवता को शर्मसार करने वाली घटना

दो आदिवासी महिलाओं को नग्न घुमाने और उनके साथ छेड़छाड़ करने के मामले में मणिपुर पुलिस ने कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी वीडियो सामने आने के बाद चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे बिल्कुल अस्वीकार्य बताया और केंद्र और राज्य सरकार को तत्काल कदम उठाने और शीर्ष अदालत को इस बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया।

मणिपुर में हिंसा के बाद महिलाओं के साथ अत्याचार की घटना सामने आई है। उसने पूरी मानवता को शर्मसार कर दिया है। जिस तरह वीडियो में दो महिलाओं को नग्न कर उनकी इलाके में परेड निकाली गई। 4 मई को हुई इस घटना का एक वीडियो वायरल होने के बाद राज्यभर में लोग आंदोलन कर रहे हैं। सड़क से संसद तक इस मामले पर हंगामा मचा है। सबसे बड़ी बात घटना इतनी पुरानी है तो इसका मतलब पुलिस और प्रशासन को इसकी जानकारी थी जब उनको जानकारी थी तो उसने कार्यवाही क्यों नहीं की माना की भीड़ का कोई चेहरा नहीं होता है परंतु जब वीडियो है तो आरोपियों की पहचान करना उतना मुश्किल नहीं था। परंतु घटना के इतने दिन बाद जब सब तरफ बवाल होने लगा उसके बाद कार्रवाई करना राज्य सरकार की मंशा पर सवालिया निशान लगा रह हैं।

उधर मामले की जानकारी मिलने पर पीएम मोदी ने भी दुख जताते हुए निंदा की है। पीएम ने कहा कि इस घटना ने न सिर्फ नारियों का अपमान किया है, बल्कि पूरे देश का सिर शर्म से झुका दिया है। घटना के बाद से समूचा विपक्ष सरकार पर हमलावर है। मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया है। पीएम ने इस दौरान मणिपुर मामले पर गहरा दुख जताया और कहा कि ये घटना देश को शर्मसार करने वाली है। बेटियों के साथ जो हुआ उसे कभी माफ नहीं किया जा सकता और दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। पीएम ने सभी मुख्यमंत्रियों से अपने-अपने राज्यों में कानून व्यवस्था तंत्र को और मजबूत करने का अनुरोध किया। महिलाओं का वीडियो सामने आने के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह से बात की है। शाह ने सीएम को 4 मई को हुई इस घटना में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। दो आदिवासी महिलाओं को नग्न घुमाने और उनके साथ छेड़छाड़ करने के मामले में मणिपुर पुलिस ने कथित मास्टरमाइंड को गिरफ्तार कर लिया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी वीडियो सामने आने के बाद चिंता जताई है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए इसे बिल्कुल अस्वीकार्य बताया और केंद्र और राज्य सरकार को तत्काल कदम उठाने और शीर्ष अदालत को इस बारे में जानकारी देने का निर्देश दिया। सरकार ने ट्विटर, अन्य सोशल मीडिया कंपनियों से मणिपुर की महिलाओं को वीडियो हटाने को कहा है। मणिपुर घटना को लेकर संसद में भी हंगामा देखने को मिला है। वीडियो मामले में कांग्रेस प्रमुख ने मोदी सरकार पर लोकतंत्र को भीड़तंत्र में बदलने का आरोप लगाया। केंद्र सरकार को इस घटना के बाद आरोपियों पर सख्त कार्रवाई करने की जरूरत है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दोषपूर्ण विकास नीतियों से उपजी तबाही

देविंदर शर्मा

बस यह कुछ ही दिनों की बात है, शीघ्र हिमाचल प्रदेश की पहाड़ियों में भारी बारिश से मची तबाही के बाद राहत और पुनर्वास कार्य होगा। वहीं पंजाब, हरियाणा व दिल्ली बाढ़ से उबर जायेंगे तो उसके बाद सब कुछ पूर्ववत चलने लग जायेगा। जब मैं 'सब कुछ पहले जैसा' कहता हूं तो मेरा आशय यह नहीं है कि जीवन फिर से सामान्य हो जायेगा। बेशक ऐसा तो होगा ही, लेकिन इससे भी अहम यह है कि हम उन सबकों को भूल गए होंगे जो क्रोधित प्रकृति ने केवल चार दिनों तक पहाड़ों पर लगातार मूसलाधार बारिश के माध्यम से देने की कोशिश की थी। जबकि 60,000 फंसे हुए पर्यटकों को निकाला गया है, फौरी तौर पर करीब 4,000 करोड़ रुपये के नुकसान का अंदाजा है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारी वर्षा से अनगिनत भूस्खलन हुए और सड़कों को नुकसान पहुंचा जिससे करीब 1321 मार्ग अवरुद्ध हो गये, 750 जल परियोजनाएं प्रभावित हुईं और करीब 4500 ट्रांसफॉर्मर बेकार हो गये। उफनती नदियों का रौद्ररूप ऐसा था कि रास्तों पर साइड में खड़ी अनगिनत कारों व अन्य वाहनों के अलावा कई पुल भी बह गये। कई जगहों पर तो पहाड़ों पर जमा कचरा भी नीचे की तरफ बहता देखा गया। निश्चित तौर पर दृश्य विचलित कर देने वाला था। संक्षेप में, हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश और पंजाब, हरियाणा के निचले इलाकों में बसे शहरों, कस्बों और खेतों में बड़े पैमाने पर बाढ़ से निश्चित तौर पर बड़ी तबाही का मंजर है। चार दिन की भारी बारिश में कई शहर व कस्बे पानी के लबालब भरे तालाब जैसे नजर आये। जिनमें कारें डूबी हुई थीं या फिर तैर रही थीं। हम जानते हैं कि यमुना का जलस्तर अब तक का सर्वाधिक था और इसके किनारे पर दिल्ली के निचले इलाकों में बसे लोग हैं। इसके साथ ही पंजाब में कई जगह सेना बुलानी पड़ी। सही-सही नुकसान का अंदाजा पानी उतरने के बाद ही लग सकेगा। पहले ही, 10000 से ज्यादा लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए जा चुके हैं। जब मुझसे पूछा गया कि बाढ़ के पीछे क्या कारण लगता है, तो मैंने एक टीवी चैनल से कहा 'यह शायद प्रकृति का अपनी नाराजगी व्यक्त करने का तरीका था।'

'मैंने ऐसा क्यों सोचा' के पूरक प्रश्न पर मेरी प्रतिक्रिया थी कि पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल प्रदेश में कंक्रीटीकरण के चलते अंधाधुंध विकास हुआ है, जिससे सभी

पारिस्थितिक सुरक्षा उपाय ताक पर रखे गये हैं। तेजी से जंगलों के कटान और 4-लेन या 6-लेन राजमार्गों के निर्माण के लिए पहाड़ों में लापरवाही भरे विस्फोटों से, नाजुक पहाड़ियां जर्जर हो गई हैं। हालांकि यह ज्ञात है कि राज्य के सभी 77 ब्लॉक कमजोर और भूस्खलन की दृष्टि से संवेदनशील हैं, इसके बावजूद राजमार्गों का निर्माण करते समय सभी तकनीकी मानदंडों को ताक पर रख दिया जाता है। इसके अलावा, 2019 तक, हिमाचल प्रदेश में 153 पनबिजली परियोजनाएं थीं, जिसके परिणामस्वरूप पानी का प्राकृतिक प्रवाह अवरुद्ध होता है और कभी-कभी आने वाली बाढ़ के कारण पानी का मार्ग बदलता है, जिसके चलते और अधिक नुकसान हुआ। दुर्भाग्यवश, ऐसे समय में जब विकास से जुड़े मुद्दे हावी होकर गूंज रहे हैं, तो पेड़ों के महत्व की बात दबकर रह गयी है। जिस तरह से राजमार्ग निर्माण के लिए पेड़ों को बेरहमी से काटा जाता है, उसकी भी बहुत भारी कीमत चुकानी होती है, लेकिन इसकी कम ही चर्चा की जाती है। जब फ्रेड पियर्स, (पूर्व साइंटिस्ट) ने येल एनवायरनमेंट 360 में एक निबंध में लिखा था कि 'जंगल का प्रत्येक पेड़ एक फव्वारा है, जो अपनी जड़ों के जरिये जमीन से पानी खींचता है और अपने पत्तों में छिद्रों के माध्यम से जल वाष्प वायुमंडल में छोड़ता है।'- मूल रूप से यह नीति निर्माताओं के लिए सबक होना चाहिए था। जबकि पेड़ों की जड़ें मिट्टी को जकड़े रखती हैं, ऐसे में पेड़ों की तेजी से हो रही कमी के कारण पहाड़ियां भूस्खलन के प्रति संवेदनशील होती जा रही हैं। राजमार्गों के विस्तार और इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के लिए बड़ी संख्या में पेड़ों को काटना बस एक संख्या मात्र बन गई है। भारत में 2021-22 में 43.9 हजार हेक्टेयर प्राथमिक वन गायब हो गये।

लोगों ने यह भी नहीं समझा कि वृक्षों में तापमान को ठंडा रखने की खास क्षमता है, कि एक वृक्ष का वातावरण को शीतल करने का प्रभाव दो एयर कंडीशनरों के समान है। इसलिए जब तापमान बढ़ जाता है तो उन्हीं लोगों को बढ़ी गर्मी से ज्यादा शिकायत होती है जिन्हें विकास के नाम पर वृक्षों के कटान से कोई परहेज नहीं है। जलवायु परिवर्तन को दोष देना आसान है। हालांकि मैं वैज्ञानिकों द्वारा इस प्रचंड घटना को बाद में जलवायु परिवर्तन से जोड़ने की किसी भी संभावना से इन्कार नहीं कर रहा हूं।

ऑर्डर-ऑर्डर : जाओ दिल्ली में पेड़ लगाओ

अमिताभ स.

दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस नज़्मी वजीरी बीते हफ्ते रिटायर हो गए हैं, लेकिन पिछले पांच सालों में उन्होंने दिल्ली की आबोहवा को संवारने की, सिलसिलेवार हरियाली बिखेरने की जो अनमोल कोशिशें कीं, वह दिल्ली सालों-साल नहीं भूलेगी। हरियाली भरे निराले सिलसिले की शुरुआत 2018 से हुई। पूर्व जस्टिस नज़्मी वजीरी एक आपराधिक मामले की सुनवाई कर रहे थे, तब उनके सामने एक व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर को रद्द करने की याचिका आई। याचिकाकर्ता ने राहत की मांग की थी। उस पर गैर-इरादतन उत्पीड़न और दहेज मांगने के आरोप का मामला दर्ज था। हालांकि, मामला दोनों पक्षों के बीच सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया गया, लेकिन अदालत ने याचिकाकर्ता समेत दोनों पक्षों को संशोधन करने का अवसर देना उचित समझा। नतीजतन दोनों पक्षों को दो हफ्ते के लिए दिल्ली के दक्षिणी रिज के वन क्षेत्र के रखरखाव में वन विभाग की मदद करने और इस दौरान 300 पेड़ लगाने के निर्देश जारी किए। जस्टिस वजीरी के ऐसे फैसलों के तहत अकेले 2018 में करीब 16,000 पेड़-पौधे लगाए गए।

बड़ी बात है कि साल 2018 से अक्टूबर, 2021 के बीच कुल 168 केसों की सजा के तौर पर दिल्ली में 1,10,301 पेड़ लगवाने के ऑर्डर देने वाले वह दिल्ली हाईकोर्ट के अकेले जज रहे। इसके बाद के करीब पौने दो सालों के आंकड़े उपलब्ध तो नहीं हैं, लेकिन मोटा अंदाजा है कि अब तक इनके आदेशों से दिल्ली को 3 लाख 70 हजार पेड़ मिले हैं। सबसे ज्यादा जनवरी, 2020 में 2 केसों के तहत 25,050 पेड़ लगवाए गए। उनके इन्हीं आदेशों के चलते दिल्ली के दो आरक्षित वन क्षेत्र सेंट्रल रिज और दक्षिणी रिज को क्रमश: 'इंसाफ बाग' और 'माफी बाग' में बदल दिया गया है। उल्लेखनीय है कि करोल बाग के नजदीक सेंट्रल रिज 864 हेक्टेयर में फैला है, जिसमें 'इंसाफ बाग' है। इसके 423 हेक्टेयर का प्रबंधन वन विभाग करता है। उधर दिल्ली रिज का सबसे बड़ा खंड दक्षिणी रिज 6,200 हेक्टेयर में फैला है, जहां 'माफी बाग' बना है।

ज्यादातर घरेलू उत्पीड़न, दहेज जैसे मामलों से संबंधित एफआईआर को रद्द करने या उनके आर्थिक दंड को बदल कर पेड़ लगाने के ऑर्डर हाईकोर्ट के पूर्व जस्टिस नज़्मी वजीरी करते रहे हैं। निर्देशों का पालन नहीं करवाने पर दिल्ली हाईकोर्ट ने हाल ही में दो सार्वजनिक अधिकारियों को जेल की सजा तक सुनाई थी। पेड़ लगाने, उनके रखरखाव और उनकी सुरक्षा में कोताही बरतने के लिए कोर्ट के निर्देशों का पालन न करने के लिए उन्हें अवमानना का दोषी ठहराया गया। ऐसे आदेशों पर करीब से नजर डालने से दिल्ली में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जज साहब की अटूट प्रतिबद्धता का पता चलता है। बीते हफ्ते अपने फेयरवेल संबोधन में पूर्व जस्टिस वजीरी ने जाहिर किया, 'सजा पाने वालों से चालान और जुर्माने के तौर पर पैसा वसूल कर सरकारी फंडों में रख देने से कहीं बेहतर है कि लोगों के समय और पैसे दिल्ली को हरा-भरा करने में खर्च किया जाए।' अपने इन आदेशों का पालन करवाने के लिए उन्होंने दिल्ली नगर निगम और दिल्ली विकास प्राधिकरण का भी सहयोग लिया।

पेड़ कौन से लगाने चाहिए, इस बाबत उन्होंने बाकायदा दिल्ली विश्वविद्यालय के सेंटर फॉर एनवायरमेंटल मैनेजमेंट ऑफ डिग्रेडेड इकोसिस्टम के प्रमुख प्रोफेसर डॉ. सीआर बाबू की सलाह और मार्गदर्शन को अपने अभियान से जोड़ा। गौरतलब है कि डॉ. बाबू ने 35 से अधिक सालों तक दिल्ली विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के संकाय सदस्य के रूप में कार्य किया है। इस दौरान, कम से कम सौ मामलों के आदेशों में पेड़ की किस्मों तक का बाकायदा उल्लेख भी किया। इनकी बदौलत ही आज माफी बाग में 28 हजार और इंसाफ बाग में 66 हजार से ज्यादा आम, जामुन वगैरह के फल वाले पेड़ खड़े लहलहा रहे हैं। दोनों बागों में आदेशों पर लगे पेड़ों के साथ बोर्ड टंगे हैं, जिन पर आदेशों के क्रमांक और उसके तहत लगे पेड़ों की संख्या दर्ज है। कोर्ट से आग्रह कर अलग 'ग्रीन दिल्ली एकाउंट' नाम का बैंक खाता खुलवा लिया गया है। पेड़ों और उनके रखरखाव के खर्च को उस खाते में जमा करवा लिया जाता है। और मॉनसून के दौरान पेड़-पौधे लगाए जाते हैं। कह सकते हैं कि 2018 से पूर्व जस्टिस नज़्मी वजीरी ने शहरीकरण, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी बढ़ती पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए पेड़-पौधे लगाने का तरीका ईजाद किया। दिल्ली हाईकोर्ट ने आदेशों के उल्लंघन के लिए एक कंपनी पर जुर्माना लगाते हुए, कोर्ट ने राशि का उपयोग सार्वजनिक हित के लिए करने और सेंट्रल रिज में 1,40,000 पेड़ लगाने का आदेश दिया। इन कदमों से दिल्ली के वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में मदद मिली है।

पूर्व जस्टिस नज़्मी वजीरी इस लिहाज से बेमिसाल हैं क्योंकि किसी बुजुर्ग वकील ने अपने कार्यकाल में कभी किसी जज को ऐसी पहल करते नहीं देखा। उनके आदेश देशी और स्वदेशी प्रजातियों के पेड़ों की अहमियत को रेखांकित करते हैं। कह सकते हैं कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और उनके आदेशों ने एक मिसाल कायम की है कि यूं कानूनी सक्रियता दुनिया को बेहतर रहने लायक बना सकती है।

बेहतर स्वास्थ्य के लिए सेहतमंद लिवर जरूरी

अंगूर का रस

अंगूर एंटीऑक्सिडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है, जो डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता कर सकता है। इसमें ऐसे कंपाउंड भी होते हैं, जो लिवर एंजाइम एक्टिविटी को बढ़ाते हैं और लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर करने में मदद करते हैं।

ग्रीन टी

पारंपरिक जूस न होते हुए भी ग्रीन टी लिवर के स्वास्थ्य के लिए एक फायदेमंद पेय है। इसमें कैटेचिन, एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट होता है, जो लिवर को नुकसान से बचाने में मदद करता है और सूजन को कम करता है।

गाजर का रस

गाजर में बीटा-कैरोटीन उच्च मात्रा में होता है, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है, जो लिवर के कार्य को सपोर्ट करता है। गाजर का रस लिवर पर ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने और डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता कर सकता है। गाजर में मौजूर विटामिन ए संक्रमण से बचाता है और ब्रेस्ट मिल्क की गुणवत्ता को बढ़ाता है।

चुकंदर का जूस

चुकंदर अपने लिवर क्लींजिंग गुण के जाना जाता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट, बीटाइन और नाइट्रेट जैसे पोषक तत्वों की भारी मात्रा पाई जाती है, जो लिवर के स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर डिटॉक्सिफिकेशन को बढ़ावा देते हैं।

नींबू का रस

नींबू का रस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का बहुत अच्छा स्रोत है। यह लिवर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में सहायता करता है। साथ ही बाइल प्रोडक्शन को बढ़ाकर लिवर के कार्य का समर्थन करता है।

हल्दी का रस

हल्दी में करक्यूमिन होता है, यह एक कंपाउंड है जो अपने एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जाना जाता है। यह लिवर को डैमेड से बचाने, सूजन को कम करने और लिवर के रीजनरेशन में सहायता सकता है।

डाइट में शामिल करें ये 7 जूस

लिवर हमारे शरीर का सबसे अहम अंग है। यह प्रोटीन, कोलेस्ट्रॉल और बाइल के प्रोडक्शन से लेकर विटामिन, मिनरल और यहां तक कि कार्बोहाइड्रेट के स्टोरेज तक शरीर के कई जरूरी कामों में अहम भूमिका निभाता है। यह शराब, दवाओं और मेटाबॉलिज्म के बाईप्रोडक्ट्स जैसे विषाक्त पदार्थों को भी शरीर से बाहर निकालने में मदद करता है। बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए लिवर का सेहतमंद होना बेहद जरूरी है।

कैनबेरी जूस

कैनबेरी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं और लिवर के डैमेज को रोकने और पूरे लिवर स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। वे सूजन को कम करने और यूरिनरी ट्रैक्ट हेल्थ को बेहतर करने में मदद करता है।

हंसना मना है

एक सुन्दर लड़की पढाई में कमजोर थी हमेशा दोस्तों के साथ मस्ती करती रहती थी, टीचर- तुम्हारे गणित में इतने कम नम्बर क्यों आये? लड़की- आई नहीं थी ना उस दिन, टीचर- क्या तुम पेपर वाले दिन आई ही नहीं थी? लड़की- नहीं, वो मेरी बगल वाली लड़की नहीं आई थी...

दोस्त- बीवी से झगड़ा बन्द हुआ क्या? पति- घुटनों पर चलकर आई थी मेरे पास, घुटनों पर। दोस्त- क्या बात कर रहा है? पति- और नहीं तो क्या? दोस्त-फिर क्या बोली? पति- बोली पलंग के नीचे से बाहर आ जाओ, अब नहीं मारुंगी।

टीचर- 15 फलों के नाम बताओ। टिल्लू - आम, केला, अमरूद। टीचर - शाबाश, 12 और फलों के नाम बताओ। टिल्लू- एक दर्जन केले।

टीटू- अपने पड़ोसी दोस्त मिंटू से बोला-आज सुबह तुम्हारे कुत्ते ने मेरी किताब फाड़ दी, शीटू- मैं उसे अभी सजा देता हूं, टीटू- रहने दे भाई, मैंने सजा दे दी है, शीटू- चौंकते हुए, कैसे? टीटू- मैंने उसके कटोरे का दूध पी लिया।

कहानी | विजेता मेंढक

एक सरोवर में बहुत सारे मेंढक रहते थे। सरोवर के बीचों-बीच एक बहुत पुराना धातु का खम्भा था जिसे उस सरोवर को बनवाने वाले राजा ने लगवाया था। खम्भा काफी ऊंचा था और उसकी सतह भी बिलकुल चिकनी थी। एक दिन मेंढकों के दिमाग में आया कि क्यों ना एक रेस करवाई जाए। रेस में भाग लेने वाली प्रतियोगीयों को खम्भे पर चढ़ना होगा और जो सबसे पहले ऊपर पहुंच जाएगा वही विजेता माना जाएगा। रेस के दिन चारो तरफ बहुत भीड़ थी, आस-पास के इलाकों से भी कई मेंढक इस रेस में हिस्सा लेने पहुंचे। माहौल में सरगर्मी थी, हर तरफ शोर ही शोर था। लेकिन खम्भे को देखकर भीड़ में एकत्र हुए किसी भी मेंढक को ये यकीन नहीं हुआ कि कोई भी मेंढक ऊपर तक पहुंच पायेगा हर तरफ यही सुनाई देता, अरे ये बहुत कठिन है, वो कभी भी ये रेस पूरी नहीं कर पायंगे,सफलता का तो कोई सवाल ही नहीं, इतने चिकने खम्भे पर चढ़ा ही नहीं जा सकता और यही हो भी रहा था, जो भी मेंढक कोशिश करता, वो थोडा ऊपर जाकर नीचे गिर जाता, कई मेंढक दो-तीन बार गिरने के बावजूद अपने प्रयास में लगे हुए थे। पर भीड़ तो अभी भी चिल्लाये जा रही थी, ये नहीं हो सकता, असंभव और वो उत्साहित मेंढक भी ये सुन-सुनकर हताश हो गए और अपना प्रयास छोड़ दिया। लेकिन उन्ही मेंढकों के बीच एक छोटा सा मेंढक था, जो बार-बार गिरने पर भी उसी जोश के साथ ऊपर चढ़ने में लगा हुआ था। वो लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा और अंततः वह खम्भे के ऊपर पहुंच गया और इस रेस का विजेता बना। उसकी जीत पर सभी को बड़ा आश्चर्य हुआ, सभी मेंढक उसे घेर कर खड़े हो गए और पूछने लगे, तुमने ये असंभव काम कैसे कर दिखाया, भला तुम्हे अपना लक्ष्य प्राप्त करने की शक्ति कहां से मिली, ज़रा हमें भी तो बताओ तभी पीछे से एक आवाज़ आई अरे उससे क्या पूछते हो, वो तो बहरा है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष आज पारिवारिक उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी, जो आपको मानसिक तनाव दे सकती है। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

वृषभ आज आप के लिए भाग्य और कर्म का अद्भुत मेल रहने वाला है। पूर्व के लंबित पड़े कार्य आज गति पकड़ेंगे। संतान से सुख मिलेगा। पारिवारिक जीवन यथावत रहेगा।

मिथुन आज अपने जीवनसाथी से कोई सरप्राइज मिल सकता है। वो आपकी बातों को पूरी तरजीह देंगे। आपके चेहरे पर खुशी बनी रहेगी। कुछ नयी जिम्मेदारियां भी मिल सकती हैं।

कर्क आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, जो व्यक्ति विद्यार्थी हैं उनको शिक्षा के क्षेत्र में अपार सफलता हासिल होगी। धार्मिक यात्रा का भी योग है।

सिंह किसी पुरानी बात को लेकर सहयोगियों से बहस हो सकती है, अतः सावधानी से काम लेकर विवादों को टालें। निजी जीवन में कुछ परेशानियां रह सकती हैं।

कन्या स्टूडेंट्स के लिये आज दिन बहुत ही फेवरेबल रहेगा। आप पढ़ाई को पूरा इंज्वॉय करेंगे। कठिन विषयों को दूसरे तरीके से समझने की कोशिश करेंगे।

तुला भाग्यवृद्धि और धनलाभ की संभावनाएँ हैं। लेकिन अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तक़रीबन पक्का है।

वृश्चिक यदि आप अपना स्वयं का व्यवसाय कर रहे हैं, तो साझेदारी में प्रवेश करने का यह एक अच्छा समय है, जो भविष्य में लाभकारी होगा। आप खुश और शांत रहेंगे।

धनु आपको जीवनसाथी से प्यार और सहयोग मिलेगा। अगर छात्र कोई फॉर्म भरना चाहते हैं, तो आज का दिन अच्छा रहेगा। पढ़ाई में अपने गुरु का पूरा साथ मिलेगा।

मकर आज पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। व्यर्थ के तनाव की संभावना है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। विवाद न करें। व्यवसाय से संतुष्टि होगी।

कुम्भ वित्तीय परिणाम उम्मीद से कम हो सकते हैं और आपको इससे निपटना होगा। सोच समझकर निवेश करना चाहिए। पारिवारिक परिवेश आनंददायक रहेगा।

मीन आज आप कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। करियर में कुछ बदलाव आ सकते हैं। ये बदलाव आपको जीवन में पॉजिटिव फील करा सकते हैं।

कृति सेनन से माफी मांगने को तैयार ताजदार अमरोही

बॉलीवुड | गपशप

मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के डायरेक्शनल डेब्यू की खबर से चर्चाओं का बाजार गर्म है। वहीं, जब यह जानकारी सामने आई कि मनीष डेब्यू फिल्म के तौर पर दिवंगत एक्ट्रेस मीना कुमारी की बायोपिक बनाएंगे, तो वह और ज्यादा सुर्खियों में आ गए। इतना ही नहीं रिपोर्ट यह भी है कि कृति सेनन इसमें मीना कुमारी का किरदार निभाएंगी। हालांकि, इस जानकारी के सामने आने के बाद एक और खबर आई कि दिवंगत एक्ट्रेस के सौतेले बेटे ताजदार अमरोही इसके निर्माताओं पर कानूनी कार्रवाई करने की योजना बना रहे हैं। इस रिपोर्ट पर अब खुद ताजदार ने चुप्पी तोड़ी है। साथ ही अपने बड़े बयान से अफवाहों को दरकिनार करते नजर आए हैं। बीते दिन रिपोर्ट आई कि ताजदार अमरोही उनकी सहमति के बिना सौतली मां की बायोपिक बनाए जाने से नाराज हैं। साथ ही वह मेकर्स के खिलाफ जल्द ही कानूनी कार्रवाई करने वाले हैं। हालांकि, इस पर दिया गया ताजदार का बयान बिल्कुल अलग है। ताजदार ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि वह इस मुद्दे पर बात करने के लिए पिछले दो दिनों से दुनिया भर से बैक-टू-बैक कॉल आने से परेशान हैं। ताजदार अमरोही ने कहा, मेरे पिता को इस दुनिया से गए हुए 30 वर्ष हो गए हैं, और मेरी छोटी मां को अलविदा कहे 50 वर्ष गुजर गए हैं।

कृति सेनन से मांगी माफी

ताजदार ने अपने पिछले इंटरव्यू में कहा था कि कृति सेनन एक अच्छी एक्ट्रेस हैं, लेकिन उन्हें मीना कुमारी की भूमिका से बचना चाहिए। इसी बयान पर सफाई देते हुए ताजदार ने लेटेस्ट इंटरव्यू में कहा कि जब भी वे कृति से मिलेंगे उनसे माफी मांगेंगे अगर उन्हें उनकी शब्दों से ठेस पहुंची होगी तो।

ठंडे बस्ते में गई अर्जुन कपूर की द लेडी किलर?

बॉलीवुड | तड़का

पिछले कुछ समय से बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर के सितारे गर्दिश में चल रहे हैं। 2 स्टेट्स और की एंड का जैसी फिल्मों की सफलता को वह काफी वक्त से दोहरा नहीं पाए हैं। फिल्म कुत्ते के बाद अभिनेता जल्द ही निर्देशक अजय बहल की थ्रिलर फिल्म में नजर आने वाले थे। फिल्म में उनके ऑपोजिट भूमि पेडनेकर को कास्ट किया गया था। अब इस फिल्म पर संकट के बादल गहराते नजर आ रहे हैं।

बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग रुक गई है। रिपोर्ट में बताया गया है कि निर्माता भूषण कुमार एक निश्चित बजट पर फिल्म बनाने के लिए सहमत हो गए थे, लेकिन अब फिल्म का बजट खत्म हो गया है और फिल्म का 20 प्रतिशत हिस्सा अभी भी पूरा नहीं हुआ है।

इससे निर्माताओं को फिर से योजना बनानी पड़ी है, क्योंकि अधिक पैसा लगाने से रिलीज के समय पैसा वसूलने में दिक्कतें आएंगी। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि फिल्म को पूरा करने के लिए कम से कम पांच-छह करोड़ रुपये की जरूरत है। एक सूत्र ने समाचार पोर्टल को बताया कि कोविड के बाद इंडस्ट्री एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, बहुत सी चीजों का पुनर्गठन हो रहा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फिलहाल निर्देशक और अभिनेता फिल्म को पूरा करने के लिए संभावित समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि, फिल्म के ठंडे बस्ते में जाने की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। वर्क फ्रंट की बात करें तो द लेडी किलर के अलावा अर्जुन मेरे हस्बैंड की बीवी और कैनेडा जैसी फिल्मों में नजर आने वाले हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

बेहतरीन संगीत की अलख जगाना चाहता हूं : कैलाश खेर

कैलाश खेर का नाम जुबान पर आते ही जेहन में ऐसा भक्तिमय-सूफियाना संगीत गूंजने लगता है जो सबकुछ भुलाकर आपको ईश्वर से जोड़ता हो। कैलाश कहते हैं कि जिंदगी के थपेड़ों ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया है। वक्त की छेनी-हथौड़ी से गढ़े जाने के दौरान उन्होंने जो सीखा, आज वही उनके संगीत में झलकता है। अपने संगीत से सभी को मंत्रमुग्ध कर देने वाले कैलाश खेर को तो पीएम नरेंद्र मोदी भी अपना नवरत्न बता चुके हैं। कैलाश सात वर्षों से अपने जन्मदिन पर केक काटने या मोमबत्तियां बुझाने के बजाय नई प्रतिभाओं को हुनर दिखाने का मौका देते हैं। सात जुलाई को 50वां जन्मदिन मनाने वाले कैलाश आज एक कार्यक्रम कर रहे हैं। कोविड के बाद पहली बार ऑफलाइन आयोजित होने की वजह से इस बार कार्यक्रम कुछ दिन आगे खिसक गया है। पद्मश्री गायक ने इस मौके पर कहा, मेरे संघर्ष के दिनों में कोई गाइड करने वाला नहीं था, लेकिन अब नहीं चाहता कि तमाम हुनरमंद उन्हीं मुश्किलों को झेलें जो कभी मैंने सही हैं। वह देशभर में बेहतरीन संगीत की अलख जगाना चाहते हैं। कैलाश 2002 में मुंबई पहुंचे। उस समय रिकॉर्ड कंपनियां मनमानी शर्तें चलाती थीं। एल्बम निकालने की काफी कोशिशें कीं, पर यह कहकर खारिज कर दिया गया कि यह नहीं चलेगा। इसी बीच फिल्म के लिए गाया गया उनका गाना अल्लाह के बंदे हिट हो गया। तब पहले मना कर चुकी एक रिकॉर्ड कंपनी ने उन्हें एल्बम रिकॉर्ड करने के लिए बुलाया। कैलाश बताते हैं कि बचपन से ही संगीत के प्रति जुनून ने उन्हें क्रांतिकारी बना दिया। पिता पंडिताई करते थे और चाहते थे कि वह भी यही पेशा अपनाएं। संगीत सीखने को लेकर पिता से अनबन हुई तो घर से भाग गए। तब उनकी आयु 12-13 वर्ष थी। वह बताते हैं कि इसके बाद खाने व जिंदगी चलाने के लिए जद्दोजहद की, पर यह जुनून ही था कि वह न सिर्फ गाने लिखते, बल्कि संगीतबद्ध करने से लेकर उसे आवाज देने तक सब कुछ खुद ही करते।

यहां की जाती है बिच्छुओं की खेती, पाल- पोसकर करते हैं बड़ा

कुछ दिनों पहले सोशल मीडिया पर सांप का बगीचा वायरल हुआ था। इसमें देखा गया कि कैसे पेड़ों के ऊपर ढेर सारे सांप रह रहे थे। इन्हें इनके जहर के लिए पाला जाता है। इनके जहर का एंटीडोज बनाया जाता है। लेकिन इस वीडियो के बाद अब बिच्छुओं की खेती का वीडियो भी सामने आया है। लेकिन ये बगीचा किसी खुली जगह पर नहीं है। बिच्छुओं की खेती एक बंद कमरे में करते हुए देखी गई। अगर आपको कोई बिच्छू काट ले, तो उसके डंक से आपकी मौत भी हो सकती है। बिच्छुओं का जहर जानलेवा होता है। अगर जान ना भी जाए, तो इतना दर्द होगा कि आपको अपनी दादी-नानी याद आ जाएगी। बिच्छू ऐसे जीव हैं,। जिनसे इंसान दूर ही रहना पसंद करेगा। लेकिन अगर आपको किसी जगह पर एक-दो नहीं, बल्कि हजार से भी ज्यादा संख्या में बिच्छू दिख जाएं तो? जी हां, सोशल मीडिया पर एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जहां एक कमरे में इतने बिच्छू पाले गए हैं कि आपको यकीन नहीं होगा। इस वीडियो में एक कमरे में बिच्छू पालन का नजारा देखा गया। जी हां, कई लोग बिच्छुओं को पालने का काम करते हैं। इसमें एक कमरे में ब्लॉक्स बनाकर बिच्छुओं को रखा जाता है। उन्हें खाना खिलाया जाता है। उनके ऊपर दवा छिड़की जाती है। बिच्छुओं को पालने के लिए काफी सावधानी की आवश्यकता होती है। अगर जरा सी लापरवाही की गई, तो ये खेती जानलेवा साबित हो सकती है। अब आप सोच रहे होंगे कि भला बिच्छुओं की खेती की क्यों जाती है? तो आपको इसकी वजह भी बता देते हैं। बिच्छुओं की खेती दो वजहों से की जाती है। जिस बिच्छू के जहर से इंसान की मौत भी हो सकती है, उससे कई तरह की दवाइयां भी बनती है। कैंसर सहित कई जानलेवा बीमारियों में बिच्छू के जहर का इस्तेमाल होता है। इनके जहर को जमा करने के लिए बिच्छुओं की खेती की जाती है। इसके अलावा कई देशों में बिच्छू को खाया भी जाता है। इस वजह से भी इनकी खेती की जाती है। सोशल मीडिया पर शेयर किये गए इस वीडियो को अभी तक लाखों बार देखा जा चुका है। लोग हैरान हैं कि कैसे एक शख्स अकेले इतने सारे बिच्छुओं को पाल रहा है।

अजब-गजब | यहां शादी में होती है ये अनोखी परंपरा!

दूल्हा-दुल्हन की ओर से बहाते हैं मछली

पिछले कुछ वक्त से मणिपुर हिंसा को लेकर चर्चा में है। हाल ही में वहां से जारी हुआ एक भयानक वीडियो लोगों को हैरान कर रहा है जिसमें कई पुरुष दो महिलाओं को निर्वस्त्र कर मार्च करवा रहे हैं। इस वजह से विश्व स्तर पर भारत के इस राज्य की चर्चा बढ़ गई है। ऐसे हादसों को रोकने के लिए प्रशासन कार्यरत है मगर मणिपुर सिर्फ हिंसा के लिए लिए चर्चा में रहे ये ठीक नहीं है। यहां कई ऐसी अनोखी परंपराएं और मान्यताएं हैं, जो बेहद आकर्षक हैं और यहां के समृद्ध समाज को दर्शाती हैं। ऐसी ही एक परंपरा शादी के वक्त होती है। इस रस्म के तहत दूल्हा-दुल्हन की ओर से जिंदा मछलियों को पानी में बहाया जाता है। इस रिवाज का नाम है नगा-थबा परंपरा। इसके बाद जब मंडप में शादी की रस्में जारी रहती हैं, उस वक्त दूल्हे की ओर से दो औरतें और दुल्हन की ओर से एक औरत इस शुभ अनुष्ठान को अंजाम देती हैं। यह वर-वधू के भावी जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। यह अनुष्ठान तीन महिलाओं द्वारा दो जीवित और स्वस्थ मछलियों को पानी में छोड़ने के लिए ले जाने के साथ शुरू होता है। मछली नगामू या चन्ना ओरिएंटलिस की छोटी किस्म की होनी चाहिए। मछलियों को दुल्हन के घर के लाई-निंगथौ कमरे में रखा जाता है (या वह कमरा जहां मेइटिस समुदाय के मुख्य देवता की पूजा की जाती है)। यह हमेशा मेइतेई परिवार के दक्षिण-पश्चिमी कोने पर स्थित होता है। और कोंडम या अल्युमीनियम का बर्तन जिस पर नगामु अंकित है, वहां रखा जाता है। मछलियों की संख्या 5 से 10 हो सकती है और महिलाओं का कर्तव्य सबसे मजबूत और सबसे सक्रिय मछलियों का चयन करना है। फिर चयन के बाद, दो महिलाएं एक-एक नगामू पकड़ती हैं और लालटेन पकड़े तीसरी महिला के नेतृत्व में निकटतम जल निकाय की ओर जाती हैं। इस रस्म का मूल विचार यह है कि इनमें से दो मछलियों को, जो दूल्हा और दुल्हन की प्रत्येक महिला के पास होती हैं, ले जाया जाए और विवाह स्थल के पूर्वी या उत्तरी दिशा में पास के तालाब या झील में छोड़ दिया जाए। जबकि तीसरी महिला लालटेन पकड़कर रास्ता दिखाती है। महिलाएं ठीक एक वक्त पर ही मछली को पानी में छोड़ती हैं। यह नवविवाहितों के वैवाहिक जीवन की यात्रा का प्रतीक है। चूंकि ये कोई नहीं जानता कि मछलियां अपनी यात्रा में कैसा प्रदर्शन करेंगी उसी प्रकार दूल्हा और दुल्हन की नई यात्रा भी अज्ञात होती है, लेकिन महिलाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि उनके द्वारा चुनी गई मछलियां मजबूत और सक्रिय हों। चन्ना ओरिएंटलिस मछली या नगामु अत्यधिक अनुकूलनीय है कि वे कीचड़ के नीचे भी जीवित रह सकती हैं और अपने मजबूत सांप जैसे सिर के साथ नरम पृथ्वी को खोदकर चल सकती हैं। माना जाता है कि जैसे मछलियां किसी भी कठोर वातावरण में जीवित रहती हैं, उसी प्रकार नवविवाहित जोड़ा भी किसी तरह की कठिनाई को सहन करने की शक्ति रखता है। एक बार मछलियों को पानी में छोड़ दिया जाता है तो तीनों में से एक महिला पास में ही पेशाब करती है। ये इस बात का प्रतीक है कि नए जोड़े के कंधों पर आने वाला कोई भी पेशाब के साथ बह जाएगा।

अब हावड़ा में महिला प्रत्याशी को निर्वस्त्र करके घुमाया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। मणिपुर में महिलाओं के साथ हुए अत्याचार की घटना के बाद लोगों में गुस्से की आग अभी शांत भी नहीं हुई है कि बंगाल में महिला के साथ हिंसा और निर्वस्त्र घुमाने का मामला सामने आया है। एक ग्राम पंचायत की महिला प्रत्याशी ने तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं पर छेड़छाड़ और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है।

आठ जुलाई की घटना

घटना आठ जुलाई की बताई जा रही है, जिस दिन राज्य में पंचायत चुनाव का मतदान हुआ था। महिला प्रत्याशी का आरोप है कि तृणमूल कार्यकर्ताओं ने उसे निर्वस्त्र कर पूरे गांव में घुमाया। यह घटना हावड़ा जिले के पांचला इलाके की है। मामले में पांचला थाने में एफआइआर दर्ज हो चुका है। महिला ने अपनी शिकायत में कहा है कि मुझे तृणमूल के लगभग 40 उपद्रवियों ने मारा-पीटा। मेरी सीने और सिर पर डंडे से वार किया और मुझे मतदान केंद्र से बाहर फेंक दिया गया। एफआइआर की कापी में तृणमूल प्रत्याशी हेमंत राय, नूर आलम, अल्फी एसके, रणबीर पांजा संजू, सुकमल पांजा समेत कई लोगों के नाम हैं।

कपड़े फाड़कर की छेड़छाड़

महिला ने आगे कहा कि उन लोगों ने मेरे कपड़े फाड़ने की कोशिश की और मुझे नग्न होने पर मजबूर किया। सबके सामने मेरे साथ छेड़छाड़ की। मुझे गलत तरीके से छूने की कोशिश की। बंगाल भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने इसे लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा है।उन्होंने ट्वीट किया- ममता बनर्जी को क्या कोई शर्म है आपके राज्य सचिवालय से कुछ ही दूरी पर यह घटना हुई है। आप एक विफल मुख्यमंत्री हैं और आपको अपने बंगाल पर ध्यान देना चाहिए।

आप कैसे विश्व गुरु, जलते हुए मणिपुर को शांत नहीं कर सकते : संजय राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। पीएम नरेंद्र मोदी के करीब 80 दिन बाद मणिपुर मुद्दे पर चुप्पी तोड़ने पर शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी के नेता संजय राउत ने उनपर हमला बोला है। राउत ने कहा कि पिछले 80 दिनों से सुलग रहे मणिपुर को आप शांत नहीं कर सकते और आप यहां बैठकर दुनिया की समस्याएं सुलझाना चाहते हैं। उनके(नरेंद्र मोदी) भक्त उन्हें विश्वगुरु कहते हैं।

संजय राउत ने कहा कि आप पहले जलते हुए मणिपुर को शांत करें। मणिपुर का मामला बेहद गंभीर है। ब्रिटिश संसद में मणिपुर के मुद्दे पर चर्चा हुई लेकिन प्रधानमंत्री उसी मुद्दे पर हमारी संसद में चर्चा नहीं करने देते हैं। यह हमारे लोकतंत्र के लिए बहुत खतरनाक घंटी है। उन्होंने कहा कि जब मणिपुर की महिला के नग्न परेड मामले पर संसद चल रही है तो प्रधानमंत्री मोदी संसद के बाहर प्रतिक्रिया देते हैं। इसका मतलब है कि वे संसद का सम्मान नहीं करते।

जब चर्चा बाहर होनी है तो क्यों बनाई नई संसद

राउत ने कहा कि नई संसद की स्थापना क्यों की गई? यह अडानी पर चर्चा नहीं करता है, यह मणिपुर पर चर्चा नहीं करता है, यह भ्रष्टाचार पर चर्चा नहीं करता है, तो इस संसद की आवश्यकता क्यों है? तो आप कैसे प्रधानमंत्री हैं? संसद है तो आप प्रधानमंत्री हैं, मणिपुर देश का ही हिस्सा है। मणिपुर के लोग इसी देश के हैं। मणिपुर की एक महिला को सड़क पर खींचकर पीट-पीटकर मार डाला जा रहा है। यह देश के 140 करोड़ लोगों के लिए चिंता का विषय है। राउत ने मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि समान नागरिक कानून ला रहे हैं..पहले मणिपुर में कानून-व्यवस्था का ख्याल रखें।

कमलनाथ के पोस्टर पर मप्र में संग्राम

भोपाल। कमलनाथ गद्दार के पोस्टर ग्वालियर में लगे हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया के गढ़ में कमलनाथ गद्दार के पोस्टर चर्चा का विषय बन गए हैं। कुछ ही देर में प्रियंका गांधी ग्वालियर आने वाली हैं, उनके आने से पहले ग्वालियर में जगह-जगह कमलनाथ के फोटो के साथ गद्दार लिखे हुए पोस्टर लगे दिखाई दे रहे हैं। दरअसल, ग्वालियर केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का गढ़ है। इसी गढ़ से चुनावी हुंकार की शुरुआत करने के लिए प्रियंका गांधी शुक्रवार को ग्वालियर पहुंच रही हैं। यहां वे मेला मैदान में एक जन आक्रोश सभा को संबोधित करेंगी। प्रियंका गांधी के आगमन के पहले ही ग्वालियर में डर्टी पॉलिटिक्स शुरू हो गई है। ग्वालियर की सड़कों पर कमलनाथ के गद्दार के पोस्टर अज्ञात व्यक्ति द्वारा लगा दिए गए हैं। इन पोस्टरों को देखकर हड़कंप मचा है।

बाढ़ के प्रकोप से प्रदेश में 13 की मौत, टीमें बचाव में जुटीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में प्राकृतिक आपदा से 13 लोगों की मौत हुई है। पानी में डूबने से फर्रुखाबाद में एक, रामपुर में पांच, हरदोई में चार लोगों की मौत हुई है। सर्पदंश से बांदा और गाजीपुर में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। अतिवृष्टि से मैनपूरी में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

राहत आयुक्त ने बताया कि यमुना और गंगा सहित अन्य नदियों का जलस्तर बढ़ने से 13 जिलों के 385 गांव बाढ़ ग्रस्त हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों के 46,830 लोगों में से 4018 को 90 राहत शिविरों में ठहराया गया

है। प्रदेश में वर्षा से प्रभावित जिलों में सर्च एवं राहत के लिए एनडीआरएफ की 7, एसडीआरएफ की 5 और पीएसी की 8 की सहित कुल 20 टीमें जुटी है। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 9583 ड्राई राशन किट, 98,098 लंच पैकेट तथा साथ ही 1250 डिगनिटी किट भी वितरित किए गए हैं ।

फोटो: 4पीएम

श्रद्धांजलि पूर्व राज्यपाल लालजी टंडन की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, मेयर सुषमा खड़कवाल व अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

रोहित-यशस्वी ने की शानदार साझेदारी

वेस्टइंडीज-भारत का दूसरा टेस्ट, पहले दिन बने ये 5 बड़े रिकॉर्ड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पोर्ट ऑफ स्पेन। वेस्टइंडीज के खिलाफ गुरुवार से शुरू हुए दूसरे और आखिरी टेस्ट का पहला दिन पूरी तरह भारतीय टीम के नाम रहा। यह दोनों देशों के बीच 100वां टेस्ट मुकाबला है। साथ ही विराट कोहली का 500वां इंटरनेशनल मैच भी। इस मौके पर दोनों कप्तानों को महान बलेबाज ब्रायन लारा ने विशेष स्मृति चिन्ह प्रदान किए। पहले दिन टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने चार विकेट खोकर 288 रन बना लिए थे।

इस दौरान वर्ल्ड क्रिकेट के कई बड़े रिकॉर्ड बने और टूटे। यशस्वी जायसवाल और रोहित शर्मा के बीच पहले विकेट के लिए 139 रन की साझेदारी हुई। यह पोर्ट ऑफ स्पेन के मैदान पर किसी भारतीय जोड़ी की बेस्ट ओपनिंग साझेदारी रही। इतना ही नहीं इस जोड़ी ने अब लगातार दो टेस्ट में 100 से ज्यादा रन की ओपनिंग साझेदारी कर ली है। इससे पहले सिर्फ पांच भारतीय जोड़ी ही ऐसा कर पाई है। सबसे ऊपर वीरेंद्र सहवाग और मुरली विजय आते हैं, जिन्होंने 2008-09 कैलेंडर ईयर में तीन बार ये कमाल किया है।

कोहली 500वें मुकाबले में उतरे

विराट कोहली इस मैच में उतरते ही 500 इंटरनेशनल मुकाबला खेलने वाले दुनिया के सिर्फ 10वें प्लेयर बने। इस मैच में अर्धशतक जड़कर उन्होंने इसे हमेशा के लिए यादगार भी बना लिया। दरअसल, अपने 500वें इंटरनेशनल मैच में 50 या उससे ज्यादा रन की पारी खेलने वाले कोहली दुनिया के एकमात्र प्लेयर बन चुके हैं। विराट कोहली अब अपने 76वें इंटरनेशनल शतक की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले मैच में भी वह शतक के करीब आकर कीर्तिमान स्थापित नहीं कर पाए थे। हालांकि इसी पारी के बूते अब कोहली के नाम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2000 रन भी पूरे हो गए। उनसे आगे भारतीय बल्लेबाजों में सिर्फ रोहित शर्मा का ही नाम है। इतना ही नहीं विराट अब इस साल टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज भी बन गए हैं। पहले दिन का खेल खत्म होने तक विराट कोहली 87 रन बनाकर नाबाद लौटे। इसी के साथ उनके टेस्ट क्रिकेट में अब 8542* रन हो चुके हैं और वह मैथ्यू हेडन और वीरेंद्र सहवाग सरीखे दिग्गजों से आगे निकल गए। एक रन और बनाते ही विश्व विजेता ऑस्ट्रेलियाई कप्तान माइकल क्लार्क को भी पीछे छोड़कर ओवरऑल लिस्ट में 23वें नंबर पर आ जाएंगे।

मणिपुर में गुस्साई भीड़ ने आरोपी का घर जलाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने वाला वीडियो वायरल होने के बाद पूरा देश गुस्से में है। शुक्रवार (21 जुलाई) को मणिपुर में गुस्साई भीड़ ने मुख्य आरोपी हुईरेम हेरादास सिंह का घर जला दिया। वायरल वीडियो में भीड़ दो महिलाओं को बिना कपड़ों के घुमाती नजर आई थी। इतना ही नहीं आरोप ये भी है कि इनमें से एक महिला के साथ दरिंदगी भी की गई. वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने बताया कि घटना बीती 4 मई की है।

चार आरोपी गिरफ्तार

मुख्य आरोपी हुईरेम हेरादास सिंह

बताया जा रहा है कि गुस्साई भीड़ ने मुख्य आरोपी के घर पर आग लगा दी, जिसमें अधिकतर महिलाएं शामिल थीं, महिलाओं को निर्वस्त्र कर घुमाने वाले वीडियो के वायरल होने पर पुलिस ने अबतक चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, चार मई को महिलाओं के साथ हुई इस घटना की सभी निंदा कर रहे हैं, पुलिस ने बताया कि बुधवार को सामने आए 26 सेकेंड के वीडियो में गिरफ्तार आरोपियों में से एक को कांगपोकपी जिले के बी. फाइनोम गांव में भीड़ को सक्रिय रूप से निर्देश देते हुए देखा जा सकता है। जिस आरोपी के घर पर आग लगाई गई है उसका नाम हुईरेम हेरादास सिंह है, पुलिस उसे पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है, गिरफ्तार किए गए अन्य तीन आरोपियों की पहचान तत्काल पता नहीं चली है, पुलिस के मुताबिक, वरिष्ठ अधिकारी वीडियो का विश्लेषण कर रहे हैं और उसमें मौजूद लोगों का मिलान गिरफ्तार आरोपियों के साथ कर रहे हैं, इसी घटनाक्रम में ग्रामीणों ने आरोपी हेरादास सिंह के मकान को आग लगा दी और उसके परिवार को प्रताड़ित किया।

दोषियों को सजा-ए-मौत की मांग

वायरल वीडियो में दो महिलाओं के खिलाफ कृत्य को मानवता के खिलाफ अपराध करार देते हुए और सभी विधायिकाओं की ओर से इस भयावह अपराध की कड़ी निंदा करते हुए, बीरेन ने कहा कि राज्य सरकार इस जघन्य अपराध पर चुप नहीं रहेगी। मुख्यमंत्री एन बिरेन सिंह ने कहा कि गहन जांच जारी है और दोषियों को मृत्युदंड दिलाने का प्रयास किया जाएगा।

कुकी जनजाति संगठन ने किया प्रदर्शन

इस बीच शक्तिशाली कुकी जनजाति संगठन आदिवासी एकता समिति या सीओटीयू ने कांगपोकपी में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू किया है और यह आज भी जारी रहेगा। सीओटीयू ने बीरेन सिंह सरकार को सभी दोषियों को पकड़ने के लिए 48 घंटे की समय सीमा दी है, अन्यथा वे आंदोलन को और आगे बढ़ाएंगे। सीओटीयू के जनरल सचिव लैमिनलुन सिंगसिट ने कहा कि हम सरकार से अपील करते हैं कि सभी दोषियों को 48 घंटे में गिरफ्तार किया जाए अन्यथा बड़े आंदोलन का सामना करना पड़ेगा. हम केंद्र सरकार से अंतिम समाधान के लिए कुकी विद्रोही समूहों के साथ राजनीतिक वार्ता शीघ्र शुरू करने की अपील करते हैं।

पीड़ा पहुंचाने वाली घटना : गार्सेटी

भारत में अमेरिका के शीर्ष राजनयिक एरिक गार्सेटी ने मणिपुर में जारी हिंसा को भारत का 'आंतरिक मामला करार दिया और कहा कि इंसानों की पीड़ा देखकर दिल दुखता है। गार्सेटी ने मणिपुर में भीड़ द्वारा दो महिलाओं को निर्वस्त्र करके घुमाने की घटना पर एक सवाल के जवाब में यह बात कही। उन्होंने कहा, मैंने वीडियो नहीं देखा है, मैं पहली बार इसके बारे में सुन रहा हूं, लेकिन जैसा मैंने पहले कहा था, जब भी मानवीय पीड़ा होती है, तो हमारा दिल दुखता है।

फोटो : सुमित कुमार

गुस्सा भाकपा माले और अन्य वामपंथी संगठनों ने मणिपुर घटना को लेकर गृहमंत्री अमित शाह के इस्तीफे की माँग को लेकर परिवर्तन चौक पर किया प्रदर्शन।

जजों का सुविधाओं पर विशेषाधिकार नहीं : चंद्रचूड़

» मुख्य न्यायाधीश बोले- प्रोटोकॉल का दुरुपयोग न करें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। हाल में ही रेलयात्रा के दौरान हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति को हुई असुविधा पर प्रोटोकॉल प्रभारी की ओर से रेलवे को लिखे पत्र पर सीजेआई न्यायमूर्ति डॉ. डीवाई चंद्रचूड़ ने कड़ी फटकार लगाई है। उन्होंने देश के सभी जजों को कहा है कि प्रोटोकॉल के तहत मिलने वाली सुविधा आपका विशेषाधिकार नहीं है।

सीजेआई ने कहा है कि सुविधाओं का ऐसा इस्तेमाल करें कि दूसरों को तकलीफ न उठानी पड़े। देश के सभी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों को लिखे पत्र में सीजेआई ने कहा है कि वो अपने साथी जजों के साथ आत्मचिंतन करें कि जजों को मिलने वाली प्रोटोकॉल की सुविधाओं का उपयोग इस तरह किया जाए,जिससे न दूसरों को असुविधा हो और न ही न्यायपालिका को सार्वजनिक आलोचना का सामना करना पड़े। सीजेआई ने यह भी कहा है कि प्रोटोकॉल प्रभारी की ओर से लिखा गया पत्र न्यायपालिका के अंदर और बाहर बेचैनी पैदा करने वाला है। उच्च न्यायालय के किसी भी अधिकारी के पास रेलकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने का कोई अनुशासनात्मक क्षेत्राधिकारी नहीं है।

रेल यात्रा में सुविधा के लिए हाईकोर्ट के एक जज ने लिखा था पत्र

उल्लेखनीय है कि बीते दिनों दिल्ली से प्रयागराज की यात्रा के दौरान पुरुषोत्तम एक्सप्रेस में हाईकोर्ट के एक जज को तमाम असुविधाओं का सामना करना पड़ा था। जिस पर हाईकोर्ट के प्रोटोकॉल प्रभारी ने पत्र लिख कर उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक से संबंधित रेलकर्मियों से स्पष्टीकरण मांगने और उसे नाराज न्यायमूर्ति के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया था। यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद से सुर्खियों में है। मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने इसे गंभीरता से लिया है और सख्त टिप्पणी के साथ कहा है कि जजों को प्रोटोकॉल के तहत मिलने वाली सुविधा का दावा उन्हें अधिकार के रूप में नहीं करना चाहिए। सीजेआई ने यह भी कहा है कि सुविधाओं का उपभोग इस तरह भी नहीं करना चाहिए कि आम लोगों के मन में न्यायपालिका और न्यायाधीश के प्रति विश्वास में कमी महसूस होने लगे।

सुप्रीम कोर्ट से फिल्म आदिपुरुष के मेकर्स को राहत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। फिल्म आदिपुरुष के निर्माताओं के सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। फिल्म आदिपुरुष का सीबीएफसी सर्टिफिकेट रद्द करने की मांग पर शुक्रवार (21 जुलाई) को सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, सीबीएफसी अपना काम करता है। उसकी ओर से जारी सर्टिफिकेट को चुनौती पर सीधे सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई नहीं हो सकती। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें फिल्म के निर्माता, निर्देशक और संवाद लेखक को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा गया था, सुप्रीम कोर्ट ने फिल्म के खिलाफ दूसरे हाई कोर्ट में लंबित मामलों पर भी रोक लगा दी है।

ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक संदिग्ध गिरफ्तार

» हथियार के साथ मुख्यमंत्री आवास में घुस रहा था युवक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने सीएम के आवास की लेन में घुसने का प्रयास कर रहे एक व्यक्ति को दबोचा है। आरोपी से पास से हथियार भी बरामद हुआ है।

आरोपी पुलिस का स्टीकर लगी गाड़ी से यात्रा कर रहा था। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ में जुटी है। कोलकाता पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने बताया किकोलकाता पुलिस ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास की लेन में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे एक व्यक्ति को रोका, जिसकी पहचान शेख नूर आलम के रूप में हुई।

पुलिस कर रही पूछताछ

तलाशी लेने पर शेख नूर आलम के पास से हथियार, एक चाकू और प्रतिबंधित पदार्थ के अलावा कई आईडी कार्ड बरामद किए गए हैं। आयुक्त ने बताया कि आरोपी पुलिस का स्टीकर लगी गाड़ी से यात्रा कर रहा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस, एसटीएफ, विशेष जांच शाखा आरोपी से पूछताछ कर रही है और जांच में जुटी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने खरगे को जन्मदिन पर बधाई दी

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को उनके 81वें जन्मदिन पर शुक्रवार को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि मल्लिकार्जुन खरगे को उनके जन्मदिन पर शुभकामनाएं। ईश्वर उन्हें दीर्घायु और स्वस्थ जीवन दें। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की शुभकामना के लिए उनका आभार जताया।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।